By:- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C Madhubani

लुई चौदहवें की उपलब्धियाँ

(The Achievement of Louis XIV)

4\. विश्वविद्यालय की स्थापना:- योग्य लोगों की आवश्यकता को देखते हुए जो शासन में महत्वपूर्ण सहयोग दे सके इसके लिए लुई चौदहवें ने अनेक विश्वविद्यालयों की स्थापना की। नये शिक्षण संस्थाओं के खुलने से फ्रांस में कला और साहित्य की प्रगति को प्रोत्साहित किया।

5\. रिक्त राजकोष को धन से भर देना:- लुई चौदहवें ने अपने शासन-काल के दौरान रिक्त राजकोष को धनधान्य से भर दिया। फ्रांस के युद्धों और लुई चौदहवें के दरबार की शानशौकत के लिए काल्बर्ट ने ही धन की व्यवस्था की।
ग्राण्ट महोदय ने लिखा है- "काल्बर्ट के सुधारों से फ्रांस में औद्योगिक विकास की उन्नति हुई। प्रजा धनी हुई और राजा शक्तिशाली बना।

6\. व्यापार व्यवस्था में सुधार:- लुई चौदहवें ने देश का व्यापार बढ़ाया जिससे देश की धन सम्पति में वृद्धि हुई और प्रजा भी सम्पन्न हुई। उसने राजदरबार की शान-शौकत के साथ-साथ सेना को शक्तिशाली बनाने के लिए भी पर्याप्त धन-धान्य किया। फ्रांस में व्यापार से पर्याप्त वृद्धि हुई। अमेरिका, इटली, जर्मनी आस्ट्रिया से फ्रांस का व्यापार कई गुणा बढ़ गया था। व्यापार स्थल एवं जलमार्ग दोनो मार्गों से होने के कारण पर्याप्त आय में वृद्धि हुई।

7\. यातायात एवं अन्य सुधार:- उसने आवागमन के लिए नये यातायात के साधनो का विकास किया। इसके अतिरिक्त नवीन मार्गों का निर्माण करवाया। उसका मानना था कि जब तक देश के अन्दर आवागमन के समुचित साधनो को

व्यवस्था नहीं होगी तब तक औद्योगीकरण एवं व्यापार के क्षेत्र में पर्याप्त उन्नति नहीं की जा सकती है। उसने अनेक नहरों का निर्माण करवाया।

8. कृषि व्यवस्था में सुधार:- लुई चौदहवें ने खाद्यान्न संकट को दूर करने के लिए कृषि व्यवस्था में व्यापक सुधार कार्य किये। उसने नये पद्धति के विकास पर बल दिया जिससे अधिक से अधिक कृषि के क्षेत्र में उत्पादन हो सके। कृषि के क्षेत्र यन्त्रीकरण को बढ़ावा दिया। कृषि अनुसंधान के लिए नवीन प्रयोगशालायें स्थापित करवायीं। कृषकों के लिए फसलों की बुवाई के समय अधिक से अधिक धन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की।

:- लुई चौदहवें की धार्मिक नीति :-

गैलिकन लिबर्टीज नामक अध्यादेश के द्वारा उसने घोषित किया कि पोप का क्षेत्र केवल आध्यात्मिक है और सम्राट पोप पर निर्भर नहीं है। पोप द्वारा अध्यादेश का विरोध करने की लुई चौदहवें ने कोई चिन्ता नहीं की।

हेज के अनुसार:- " लुई चौदहवाँ चर्च पर नियंत्रण और धार्मिक एकता स्थापित करना चाहता था। पोप ने जब इसका विरोध किया तो वह पोप के साथ संघर्ष करने में भी नहीं हिचकिचाया।

प्रोटेस्टेण्टों पर अत्याचार:- लुई चौदहवें ने प्रोटेस्टेण्टों पर कड़ा अत्याचार किये जिससे लोगों ने अपना देश फ्रांस छोड़ना उचित समझा और लुई के शत्रुओं से जा मिला। इससे लुई चौदहवें को आर्थिक हानि हुई।

P.T.O